BSKC – 134

बी.ए. कार्यक्रम

(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य (चतुर्थ छमाही)

(जुलाई, 2020 एवं जनवरी, 2021 सत्रों के लिए)

BSKC – 134 संस्कृत व्याकरण

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ए. (कार्यक्रम) संस्कृत–कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2020–21)

पाठ्यक्रम कोड : BAG/BSKC-134/2020–21

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक : .....

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2020 सत्र के लिए : 31 मई 2021

जनवरी 2021 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर 2021

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य : BSKC- 134 संस्कृत व्याकरण

पाठ्यक्रम कोड – BSKC-134
पाठ्यक्रम शीर्षक – संस्कृत व्याकरण
सत्रीय कार्य – BSKC – 134/TMA/2020-2021

पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–

1. अधोलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए :– 15X3=45

(क) मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः।

अथवा

तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्।

(ख) इकोयणचि।

अथवा

विसर्जनीयस्य सः।

(ख) नाव्ययीभावादतोऽम् त्वपञ्चम्याः।

अथवा

तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न :– 5X5=25

2. संहिता संज्ञा को स्पष्ट कीजिए।

3. 'हरये नमः' की विभक्ति को सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

4. गुण संज्ञा किन वर्णों की होती है? स्पष्ट कीजिए।

5. 'पावकः' की रूपसिद्धि प्रक्रिया लिखिए।

6. आम्रेडित संज्ञा को स्पष्ट कीजिए।

7. 'उपकृष्णम्' पद में कौन सा समास है? स्पष्ट कीजिए।

8. 'नदीभिश्च' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :– 10X3=30

9. 'हलन्त्यम्' सूत्र की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

10. 'अणुदित्सवर्णस्य चाऽप्रत्ययः' सूत्र की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

11. 'प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा' सूत्र की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

12. 'सुध्युपास्यः' की रूपसिद्धि प्रक्रिया लिखिए।

13. 'शश्छोऽटि' सूत्र की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

14. समास कितने हैं? सविस्तार लिखिए।